माननीय राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का 57वें मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह में उद्बोधन

स्थान:- भोपाल दिनांक एक नवम्बर, 2012 समय :- शाम 6 बजे

देश के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश की स्थापना की 57वीं वर्षगांठ के उल्लासमयी और स्वर्णिम अवसर पर मैं प्रदेश के नागरिकों को बहुत-बहुत हार्दिक बधाई और आत्मीय शुभकामनाएं देता हूं। इस अवसर पर मैं प्रदेश के विकास की सभी सम्भावनाओं के साकार होने और प्रदेशवासियों के खुशहाल तथा समृद्ध जीवन की कामना भी करता हूं।

मैं आस्कर जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित संगीतकार श्री ए.आर. रहमान और सुखविंदर सिंह जैसे प्रतिष्ठित गायक कलाकारों का मध्यप्रदेश में स्वागत करता हूं। आप सबको शुभकामनाएं।

देश के महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उत्तरप्रदेश की सीमाओं के बीच में बसा मध्यप्रदेश जगमगाते दीपक के समान है, जिसके आलोक का प्रभाव, प्रभा और छटा सर्वथा भिन्न और मनमोहक है। प्रदेश की आबोहवा में कला, साहित्य और संस्कृति की मनमोहक सुगंध घुली मिली हुई है। विंध्य और सतपुड़ा की पर्वत श्रृंखलाएं इस प्रदेश को रमणीय बनाती हैं। नर्मदा,ताप्ती, सोन,बेतवा, केन,धसान,तवा, चम्बल,महानदी और सिंध नदी के यहां उदगम और मिलन स्थल भी हैं । प्रदेश का एक तिहाई हिस्सा वन सम्पदा के रूप में संरक्षित है। वन्य जीवन के लिए मध्यप्रदेश दुनिया भर में जाना जाता है।

मध्यप्रदेश की संस्कृति विविधवर्णी है। प्रदेश में जहां पांच लोक संस्कृतियों का समावेशी संसार है वहीं दूसरी ओर जनजातियों की आदिम संस्कृतियों का विस्तारित फलक है। असंख्य ऐतिहासिक सांस्कृतिक धरोहरें विशेषत: उत्कृष्ट शिल्प और मूर्तिकला से सजे मंदिर, स्तूप और स्थापत्य के अनूठे उदाहरण यहां के महल और किले, यहां उत्पन्न हुए महान राजाओं और उनके वैभवशाली काल तथा महान योध्दाओं, शिल्पकारों, कवियों, संगीतज्ञों के साथ-साथ हिन्दु, मुस्लिम, जैन और बौद्ध धर्म के साधकों की याद दिलाते हैं। भारत के अमर कवि, नाटककार कालिदास और प्रसिद्ध संगीतकार तानसेन ने, इस उर्वर धरा पर जन्म ले, इसका गौरव बढ़ाया है।

पिछले सत्तावन वर्षों के दौरान वर्ष दर वर्ष हमारा राज्य तरक्की के रास्ते पर बढ़ रहा है। विकास कार्यों के संतोषजनक नतीजे सामने आ रहे हैं। सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि हालिया वर्षों में मध्यप्रदेश में विकास-कार्यों के क्रियान्वयन की रणनीति का जो मॉडल अपनाया गया है उसमें मानवीय संवेदनाओं का पूरा ध्यान रखा गया है। विकास को जीवन मूल्यों, संस्कारों, भावनाओं और आस्थाओं से जोड़ा गया है।

मैं यह भी कहूंगा कि आज का दिन प्रदेश के अतीत और वर्तमान का सिंहावलोकन करने का स्वर्णिम अवसर है। काम अभी भी बहुत बाकी है। प्रदेश और प्रदेशवासियों का भविष्य संवारने के लिए सुदीर्घ रणनीति तैयार करनी होगी। शिक्षा के व्यापक प्रबंध, स्वास्थ्य के माकूल इंतजाम और मजबूत बुनियादी संरचना के निर्माण की दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे। इसके लिए समाज के सभी वर्गों, धार्मिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक तथा सामाजिक संगठनों और राज्य शासन को, समन्वित रूप से कार्य करने के लिए दृढ़ संकल्पित होना होगा।

मैं पुन: प्रदेशवासियों को मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई देता हूं। अंत में मैं प्रदेशवासियों को इसी पखवाड़े आने वाले प्रकाशपर्व दीपावली के त्यौहार की मंगलकामनाएं भी देता हूं।

जय हिन्द।